Since this grade is above the lowest rung of Group 'A' and is required to be filled by selection, no reservations are provided in this grade. However, there are 18 Scheduled Castes and 3 Scheduled Tribes Deputy Secretaries in the Central Secretariat Service out of a total of 355.

(c) No, Sir.

Payment of Additional D.A. Instalments to Employees of Directorates of Census Operations

8849. SHRI N.K. SHEJWALKAR : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) how many instalments of additional dearness allowance have been paid to Central Government employees after fixing the consolidated pay for Tabulators/Coders in the Directorates of Cenus Operations all over India ;

(b) whether such consolidated pay employees of Directorates of Census Operations have been given benefit of dearness allowance, declared for time-scale employees in 1961 and 1971 ; and

(c) if so, whether Government propose to consider this time to extend benefit of ADA as referred to in (a) to the consolidated salary employees of Census ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR) : (a) 8 (eight).

(b) No, Sir.

(c) No, Sir.

Anomaly in pay of equal posts in EPF and ESIC

8850. SHRI R. N. TRIPATHI : Will the Minister of LABOUR be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Employees Provident Fund Organisation is managing three major Social Security Schemes and the ESIC is managing only one scheme;

(b) whether it is also a fact that the PFI (Gr. II)/Supdt. and Assistant in the EPF Organisation are not getting even that much pay after doing the work of three schemes which their counterpart in ESIC are getting;

(c) if so, what are the pay scales of the above category in EPF and ESIC and what action Government propose to take to bring at par the employees of EPF organisation with the pay scales prevailing in ESIC; and

(d) if not, what is the justification ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI DHARMAVIR) : (a) The Employees Provident Fund Organisation administers the Employees Provident Fund Scheme, Employees Family Pension Scheme and Employees Deposit Linked Insurance Scheme. The Employees State Insurance Corporation administers the Employees State Insurance Scheme which provides for a variety of benefits such as medical benifit, cash allowance during sickness, maternity benefit, disability benefit and dependants benefit in cases of injury etc. The schemes being administered by the two Organisations cannot be compared.

(b) and (c). There is no post of Superintendent in the Employees State Insurance Corporation. As regards Inspectors, there are two grades of Inspectors in the Employees Provident Fund Organisation whereas there is one grade of Inspector in the ESIC. The comparative scales are given below :

Name of the post	Pay scale in EPF Orgn.	Pay scale in ESIC
	Rs.	Rs.
1. Provident Fund Inspector (Gr.I)	650-1200	—
2. Provident Fund Inspector (Gr.II)	470-750	—
3. Insurance Inspector	—	550-900
4. Assistant	425-640	425-700

(d) The recommendations of the Central Board of Trustees of the EPF Organisation regarding revision of scales of pay of certain categories of posts in the Organisation are under consideration of the Government.

हिन्दी आशुलिपि पाठ्यक्रम

8851. **श्री केशव राव पारधी :** क्या श्रम मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी आशुलिपि पाठ्यक्रम पर पुनर्विचार करने के लिए सितम्बर, 1981 में विशेषज्ञ समिति की एक बैठक बुलाई गई थी ;

(ख) यदि हां, तो यह बैठक कितने साल बाद बुलाई गई और इसे आयोजित करने के क्या कारण थे ;

(ग) इस बैठक में हिन्दी आशुलिपि पाठ्यक्रम में क्या सुधार सुझाए गए ; और

(घ) आशुलिपि और टंकण की उन पाठ्य पुस्तकों के नाम क्या हैं जिन पर इस बैठक में चर्चा हुई ?

श्रम मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री धर्मवीर) : (क) जी हां।

(ख) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में इस व्यवसाय को प्रारम्भ करने के बाद पाठ्यक्रम के पुनर्विचार और संशोधन के लिए यह प्रथम बैठक थी। पाठ्यक्रमों का आवधिक पुनर्विचार/संशोधन श्रम मन्त्रालय की सामान्य नीति का एक भाग है। तथापि, इस मामले में आशुलिपि लिखने की एकरूप पद्धति तथा इस व्यवसाय में प्रशिक्षण के स्तर को बढ़ाने के लिए उपाय ढूंढ निकालने की आवश्यकता को महसूस किया गया था।

(ग) सुझाए गए कुछ प्रमुख सुधार इस प्रकार हैं :

(i) राष्ट्रीय स्तर पर एक सामान्य प्रणाली अपनाना।

(ii) पढ़ाने के घण्टों की संख्या में वृद्धि।

(iii) प्रशिक्षण और दक्षता के स्तर को बढ़ाना ताकि प्रशिक्षणार्थियों को और अधिक नियोजन योग्य बनाया जा सके।

(iv) औजारों और उपकरण की सूचियों को अद्यतन बनाना।

(घ) ऋषि, सिंह, पिटमैन, नवीन आशुलिपि, विशिष्ट और मानक प्रणालियों जैसी विभिन्न प्रणालियों पर विस्तार से विचार किया गया था और केवल मानक प्रणाली को अपनाने के लिए, जिसे तैयार किया गया है अनुमोदित किया गया है और राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिन्दी आशुलिपि व्यवसाय को पढ़ाने के लिए कार्यान्वित किया जा रहा है, सर्वसम्मत निर्णय लिया गया था। तदनुसार, इस पद्धति पर भारत सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की जांच की गई थी तथा पाठ्यपुस्तकों के रूप में निर्धारित किया गया। तथापि, अन्य प्रणालियों की पुस्तकों पर भी विचार किया गया तथा उनमें से कुछ पुस्तकों की संदर्भ पुस्तकों के रूप में सिफारिश की गई थी।

कर्मचारी भविष्य निधि के न्यास मंडल द्वारा दिए गए सुझावों का क्रियान्वयन

8853. **श्री मोतीभाई आर० चौधरी :** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भविष्य निधि न्यास मंडल द्वारा वर्ष 1977-78 में दिए गए सुझावों में से